



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2001/16 भाद्रपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 सितम्बर, 2001

संख्या एफ. एफ ई० बी०-एफ(६) 2/99-II.--राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अन्तर्गत उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला किन्नौर के सांगला वैली अभ्यारण्य का गठन करने के आशय से अधिसूचना संख्या एफ.टी. एस०(एफ) 6-1-89, तारीख 31-5-1989 जारी की थी ।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उद्घोषणा तारीख 30-3-91 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी तथा जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर आक्षेप प्राप्त हुए थे ।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर ने उक्त अधिनियम की धारा 24(2) के अन्तर्गत उनमें विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा उठाये गये आक्षेपों का सावधानी पूर्वक विचार किया और निजी भूमि व वह वन भूमि जिन पर क्षेत्रीय लोगों के बहुत ज्यादा हक-हकूक हैं, को सांगला वैली अभ्यारण्य से बाहर

मूल्य : 1 रुपया ।

करने तथा इस भूमि पर लोगों के बुशहर स्टेट की वन बन्दोबस्त रिपोर्ट, 1921 में दिये गए हक-हकूक यथावत रखने की सिफारिश की है।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट का सुविचारित परिशोधन करने के पश्चात् राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश का समाधान हो गया है कि समाहर्ता, किन्नौर द्वारा अनुशासित निजी भूमि व वन भूमि को, सांगला वैली अभ्यारण्य, जनहित रूप में 31-5-1989 को अधिसूचित किया गया था, से बाहर रखा जाए।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट तथा मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) व मुख्य वन्य प्राणी संरक्षक द्वारा हिमाचल प्रदेश वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 24(2)(ग) के उपबन्धों के अधीन दी गई सहमति के आधार पर आदेश देते हैं कि स्थानीय निवासी, उन्हें बुशहर स्टेट वन बन्दोबस्त रिपोर्ट, 1921 द्वारा उपरोक्त अभ्यारण्य में प्रदत्त हक-हकूक का उसी प्रकार प्रयोग करते रहते रहेंगे जैसे वे उनका इससे पूर्व करते आये हैं।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) व मुख्य वन्य प्राणी संरक्षक हिमाचल प्रदेश की सिफारिश के आधार पर सांगला वैली अभ्यारण्य के नाम को बदल कर रक्षम-छितकुल अभ्यारण्य नाम रखने की अनुमति देते हैं।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, का यह मानना है कि अभ्यारण्य रक्षम-छितकुल पर्याप्त परिस्थितिकि, प्राणी-जात, भू आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणी-विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए रक्षम-छितकुल क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभ्यारण्य घोषित करते हैं।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी :--

उत्तर : बिन्दु 5983 मीटर से आरम्भ होकर (Lat. $31^{\circ}-26'-53''$ N, Long. $78^{\circ}-20'-19''$ E) दूसरे उच्च बिन्दुओं 5990 मीटर, 5290 मीटर से डैवोलिंग (6080 मीटर), 5635 मीटर, 5655 मीटर, 6032 मीटर, 5545 मीटर से वरांग घाटी धार पर बिन्दु 5810 मीटर तक (Lat. $31^{\circ}-23'-23''$ N, Long. $78^{\circ}-29'-49''$ E).

पूर्व : बिन्दु 5810 मीटर (Lat. $31^{\circ}-23'-23''$ N, Long. $78^{\circ}-29'-49''$ E) से नीचे की जोरिया गारंग के पार वास्पा नदी के साथ बोरामू घाटी तक (Lat. $31^{\circ}-14'-28''$ N, Long. $78^{\circ}-27'-28''$ E)

दक्षिण : हिमाचल प्रदेश उत्तरांचल सीमा पर स्थित बोरामू घाटी (Lat. $31^{\circ}-14'-28''$ N, Long. $78^{\circ}-27'-28''$ E). से लेकर 5760 मीटर, 5930 मीटर, 5480 मीटर, 5889 मीटर पर स्थित उच्च बिन्दुओं व देव की धार से खिमलोगा घाटी (5712 मीटर) और आगे की ओर सिगा घाटी, 5424 मीटर, से होकर शिमला उत्तरांचल व सांगला तहसील के सांझी सीमा बिन्दु तक (Lat. $31^{\circ}-17'-00''$ N Long. $78^{\circ}-18'-44''$ E).

पश्चिम : सिगा घाटी (Lat. $31^{\circ}-17'-00''$ N, Long. $78^{\circ}-18'-44''$ E) से लेकर हानियां गलेशियर के पार 5260 मीटर, 5820 मीटर पर स्थित उच्च बिन्दुओं से हो कर सिगा खड्ड के साथ चिसपिन तक। यहां से सीमा वास्पा नदी के साथ ऊपर की ओर रिमदारंग नाले की ओर और उसके बाद रिमदारंग नाले के साथ ऊपर उत्तर की ओर ऊंचे बिन्दु 3930 मीटर तक, शिल्पिया थाच व उच्च बिन्दु 4789 मीटर से होती हुई, गणनाग नाले को पार करती हुई मांगसा गरंग तक गोर

गरंग (4435 मीटर) खोरागला गरंग से उच्च बिन्दु 4440 मीटर और उत्तर की ओर 5983 मीटर ऊंची चोटी तक (Lat. 31°-26'-53" N, Long 78°-20'-19" E).

क्षेत्रफल : 304 वर्ग कि० मी० ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तायुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this department Notification Number FFFB-F(6) 2/99-II Dated 7th September, 2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India]

FOREST DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 7th September, 2001

No FFEB-F(6) 2/99-II.—Whereas Governor, Himachal Pradesh in exercise of powers vested in him under section 18 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 had issued Notification No. FTS (F)6-1-89 dated 31-5-1989 declaring his intention to constitute Sangla Valley Sanctuary in District Kinnaur.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 30-3-1991 and objections were received from the public within the prescribed period.

And whereas the Collector, District Kinnaur in exercise of the powers vested in him under Section 24 (2) of the said Act, has carefully considered the objections raised by the interested persons and recommended deletion of private and forest land heavily burdened with rights of the local people from Sangla Valley Sanctuary area and has also recommended continuance of the rights of the people as enjoyed by them as per the Forest settlement report of Bushahr State, 1921.

And whereas after careful perusal of the report of Collector, District Kinnaur the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that the private and forest land as recommended by the Collector District Kinnaur should be excluded from Sangla Valley Sanctuary which was notified on 31-5-89.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh on the basis of the report of Collector, District Kinnaur and the concurrence given by the Chief Conservator of Forests (Wild Life)-cum-Chief Wild Life Warden, Himachal Pradesh under the provisions of Section 24 (2) (c) of the Wild Life (Protection) Act, 1972 is pleased to order that the local inhabitants shall be allowed to exercise the rights conferred on them vide Forest Settlement Report of 1921 of Bushahr State as are being enjoyed by them heretofore in the above sanctuary.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh on the basis of the recommendation of the Chief Conservator of Forests (Wild Life)-cum-Chief Wild Life Warden, Himachal Pradesh is further pleased to re-name Sangla Valley Sanctuary as Rakchham-Chhitkul Sanctuary.

And whereas, the Governor, Himachal Pradesh considers that Rakchham-Chhitkul Sanctuary is of adequate ecological, faunal, floral, geo-morphological, natural and zoological significance

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 26-A of the said Act is pleased to declare Rakchham-Chhitkul as Wildlife Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wild-life or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North: The boundary starts from the point 5983m (Lat. 31°-26'-53" N Long. 78°-20'-19" E) passing through high points of 5990m, 5290m to Daboling (6080m), 5635m, 5655m, 6032m 5545m, upto Charang Ghatti ridge to point 5810m (Lat 31°-23'-23" N & Long. 78°-29'-49"E).

East : From the point 5810m (Lat 31°-23'-23" N & Long. 78°-29'-49"E) downwards to Baspa River across Jorya Gurang upto Borasu Ghatti (Lat. 31-14'-28" N & Long. 78°-27'-28"E).

South: Starting from Borasu Ghatti (Lat 31°-14'-28" N & Long 78°-27'-28" E) on Himachal Pradesh Uttranchal border passing through Devkidhar from the high points of 5760m, 5930m, 5877m, 5480m, 5889m, Khimloga pass 5712m and further down to 5424m along Singa Ghatti upto meeting point of Shimla, Uttranchal & Sangla tehsil (Lat 31°-17'-00" N & Long 78°-18'-44" E).

West: From Singa Ghatti (Lat 31°-17'-00" N & Long 78°-18'-44" E) passing through high points 5260m, 5820m across Hania Glacier and then along the Singan Khad down to Chispin. From there the boundary goes upstream along Baspa river upto Rim Darang Nala then upstream along Rima Darang Nala passing through Nala to the North upto high points 3930m, then passing to Shilpya Thatch and point 4789m, crossing Shushnang Nala upto Mangsa Garang, Gor Garang 4435m, Khoragla Garang to high point 4440m and north upto peak 5983m (Lat. 31°-26'-53" N & Long 78°-20'-19"E).

Area: 304 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

F.C.-cum-Secretary.